आज की मुरली का सार --- Date: 17-05-2014

1. बाबा ने आज बार-बार कहा, बच्चों को अपनी बुद्धि किसी के भी नाम-रुप में लटकानी नहीं हैं. याद के समय बुद्धि भटकती है, देहधारी में जाती है तो बाप को सच-सच सुनाओ. सच बताने से बाप क्षमा कर देंगे. बाप को सुनाने से खबरदार हो जायेंगे. हमारी बुद्धि किस कारण से किसी के नाम-रूप में फंस सकती हैं या कोई एक मनुष्य को ज्यादा याद करती हैं.

- किसी भी भाई-बहन के साथ मोह हो जाता हैं.

- किसी से हम बहुत ज्यादा इम्प्रेस हो जाते हैं.

- किसी से कोई कारण से हमारा ईमोसनल संबद्ध होता हैं.

- किसी साथी से हमारा बहुत ज्यादा मतभेद होता हैं.

हम बाबा को जब याद करते है तो हमारी बुद्धि को हमें एकाग्र करना होता है, अगर हमारी बुद्धि किसी के नाम-रुप में लटकी होगी तो बाबा से हम अपना कनेक्शन जोड नहीं पायेंगे, यहीं हमारी चेकिंग है. बाबा से कनेक्शन जुटता नहीं है तो चेक करो हमारी मन-बुद्धि में किसकी याद रहती है? और कोई भी कारण वश हमारी बुद्धि किसी मनुष्य आत्मा को याद करती रहती है तो वह कारण सच-सच बाबा को बता दो. सच बताने से बाप क्षमा कर देंगे और हम खबरदार हो जायेंगे.

2. बाबा ने कहा, तुम बच्चे जानते हो संपूर्ण पवित्रता धारण करने में ही मेहनत है, पढ़ाई में इतनी मेहनत नहीं हैं. कैसे?

इस ईश्वरीय पढ़ाई में तीन बाते है, आत्मा, परमात्मा और सृष्टि चक्र का ज्ञान, जो हम सरलता से जान लेते हैं. वैसे ही संपूर्ण पवित्र आत्मा बनने के लिए हमें नीचे बताई तीन बाते धारण करनी है.

- पवित्रता धारण करने के लिए सबसे पहले हमारी वृति को स्वच्छ बनाना हैं. स्वच्छ वृति ही दृष्टि को शुद्ध करती हैं. स्वच्छ वृति और शुद्ध दृष्टि वाली आत्मा की कृति पवित्र हो जाती हैं. हमारी वृति को स्वच्छ बनाने के लिए सर्व आत्माओं प्रति हमारी वृति भाई-भाई की रहे उसकी प्रैक्टिस करनी हैं.

- व्यर्थ संकल्प से मुक्त बनना हैं. श्रेष्ठ संकल्पों का स्टौक जमा होगा तो व्यर्थ से मुक्त हो जायेंगे.

- स्व से और परमपिता-परमात्मा से संपूर्ण ऑनेस्ट रहना हैं. बाबा ने कहा है संपूर्ण ऑनेस्ट बनने से ही संपूर्ण पवित्र आत्मा बनेंगे.

ॐ शांति.